

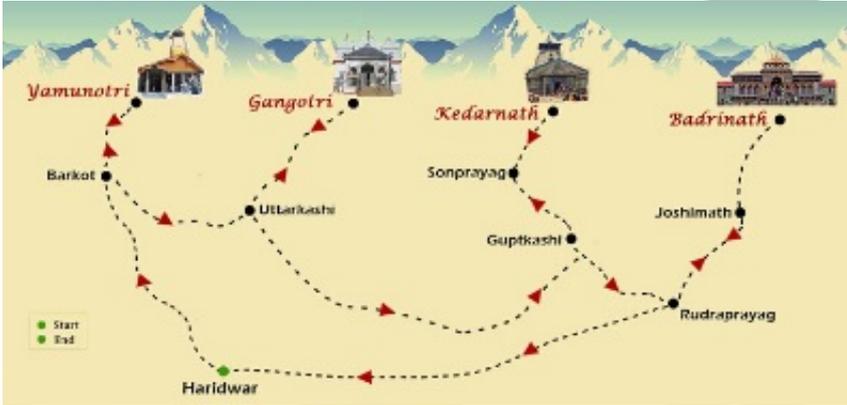
चार धाम यात्रा 2024

चर्चा में क्यों?

हाल ही में देवी [गंगा की मूर्ति](#) को उनके शीतकालीन अधिष्ठान [मुखबा गाँव से गंगोत्री](#) ले जाकर [गंगोत्री मंदिर](#) की अनुष्ठानिक शुरुआत की गई।

■ मुख्य बदि:

- परंपरा के अनुसार, समारोह की शुरुआत देवी गंगा को पालकी पर बठाने और मंदिर से बाहर निकालने से पहले उनकी प्रार्थना के साथ हुई।
- तीर्थयात्रियों का प्रारंभिक जत्था ऋषिकेश से रवाना हुआ। धार्मिक हस्तियों और राजनीतिक नेताओं द्वारा वभिन्न समूहों को वभिन्न स्थानों से रवाना किया गया।
- [केदारनाथ](#), [गंगोत्री](#) और [यमुनोत्री](#) के द्वार अक्षय तृतीया (10 मई, 2024) को खुलेंगे तथा [बद्रीनाथ धाम](#) के द्वार 12 मई 2024 को खुलेंगे।



चारधाम यात्रा

- **यमुनोत्री धाम:**
 - स्थान: उत्तरकाशी ज़िला।
 - समर्पति: देवी यमुना।
 - गंगा नदी के बाद यमुना नदी भारत की दूसरी सबसे पवित्र नदी है।
- **गंगोत्री धाम:**
 - स्थान: उत्तरकाशी ज़िला।
 - समर्पति: देवी गंगा।
 - सभी भारतीय नदियों में सबसे पवित्र मानी जाती है।
- **केदारनाथ धाम:**
 - स्थान: रुद्रप्रयाग ज़िला।
 - समर्पति: भगवान शिव।
 - मंदाकनी नदी के तट पर स्थित है।
 - भारत में 12 ज्योतिरलिंगों (भगवान शिव के दविय प्रतिनिधित्व) में से एक।
- **बद्रीनाथ धाम:**
 - स्थान: चमोली ज़िला।
 - पवित्र बद्रीनारायण मंदिर का स्थान।
 - समर्पति: भगवान वशिष्ठ।
 - वैष्णवों के पवित्र तीर्थस्थलों में से एक।

